जग में तेरी शान घणी | By Ram Shankar

सुनी रे मैंने श्याम धनी जग में तेरी शान घनी
जग के हर हारे की खाटू में बात बनी
तू सेठ सेठो का हे सांवरा
जिस ने पुकारा एक बार आ गया
होकर बाबा लीले पर सवार आ गया
लेकर जो निशान तेरे द्वार आ गया
जीता वही मान के जो हार आ गया
मिट्टी वह छुए तो बन जाए रे मनी

हारे के सहारे तेरा किस्सा भी कमाल है
शीश का तू दानी तेरी कहीं ना मिसाल है
ठहरे तेरे आगे भला किसकी मजाल है
उसे क्या हराय कोई जिसकी तू ढाल है
जिसे हो जिताना तेरे मन में ठनी

तेरे तीन बाण के है चर्चे बड़े
तीनो लोक वाले हाथ जोड़े हैं खड़े
जो भी तेरे मंदिर की सीढ़ियां चढ़े
उस पर दुखों का कभी साया ना पड़े
जिस पर तेरी कृपा की चादर है तनी

सौप दी मैंने भी तुझे डोर सांवरे
चाहे तू नचा ले जिस और सांवरे
कर मेरी अर्जी पर गौर सांवरे
मेरा ना सहारा कोई और सांवरे
कांच हूं बना दे मुझे हीरे की कनी

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%9c%e0%a4%97-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%82-%e0%a4%a4%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%b6%e0%a4%be%e0%a4%a8-%e0%a4%98%e0%a4%a3%e0%a5%80-by-ram-shankar/